बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-822
26/11/2026

वर्ष 2030 तक बिहार में प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दुग्ध उत्पादन का लक्ष्य :– सम्राट

➢ राष्ट्रीय दुग्ध दिवस पर मुख्यमंत्री ने कहा– श्वेत क्रांति की धारा से हर आँगन में उजियारा हो, पशुपालक हों खुशहाल यहाँ, समृद्ध बिहार हमारा हो।

मुख्य बिंदु–

- दुग्ध उत्पादन में बिहार को आत्मनिर्भर बनाने के साथ देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करना सरकार का लक्ष्य।
- सुधा के माध्यम से बिहार के पारंपरिक उत्पादों को राष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा
- पशुपालन, डेयरी एवं बकरी पालन को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और महिलाओं की आय को मजबूत किया जाएगा।
- सुधा के माध्यम से बकरी के दूध के संग्रहण एवं विपणन को प्रोत्साहित करने की दिशा में प्रतिदिन एक लाख लीटर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- बिहार सरकार ने कंप्रेस्ड बायोगैस (CBG) नीति बनाई है, जिससे बायोगैस उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नए अवसर सृजित होंगे।
- प्रत्येक प्रखंडों में पशु औषधि केंद्र खोले जाएंगे, ताकि पशुपालकों को पशुओं के इलाज के लिए आवश्यक सुविधाएं सुलभ हो सकें।

पटना, 26 नवम्बर 2026 :– मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी तथा केन्द्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी एवं पंचायती राज मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रीय दुग्ध दिवस–2026 का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दुग्ध उत्पादन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती, किसानों की समृद्धि और महिलाओं के आर्थिक

सशक्तीकरण का महत्वपूर्ण आधार है। बिहार सरकार पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य बिहार को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के साथ–साथ देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करना है। उन्होंने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डेयरी सेक्टर में हुये कार्यों के कारण पिछले 12 वर्षों में भारत में दुग्ध का उत्पादन लगभग दोगुना हुआ है। आज भारत विश्व के कुल दुग्ध उत्पादन का लगभग एक–चौथाई हिस्सा उत्पादित कर रहा है। यह देश के पशुपालकों, किसानों और डेयरी क्षेत्र से जुड़े लोगों के परिश्रम का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 48 लाख लीटर दुग्ध का उत्पादन हो रहा है। वर्ष 2030 तक इसे बढ़ाकर एक करोड़ लीटर प्रतिदिन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पशुपालन, डेयरी विकास और दुग्ध संग्रहण व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा। मुख्यमंत्री गौधन योजना के माध्यम से उत्तम क्वालिटी के गाय और भैंस खरीदने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे पशुपालकों को स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं और उत्तम नस्ल के गाय, भैंस से दुग्ध उत्पादन बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉम्फेड बेहतर कार्य कर रही है और इसकी चर्चा देश भर में हो रही है। सुधा ने अपनी गुणवत्ता और विश्वसनीयता के माध्यम से देशभर में पहचान बनाई है। सुधा द्वारा असम में एक लाख लीटर क्षमता का प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित किया गया है। आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल में भी एक लाख लीटर क्षमता का प्रोसेसिंग यूनिट शुरू किया जाएगा। इससे बिहार के दुग्ध उत्पादकों को व्यापक बाजार उपलब्ध होगा और राज्य की आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि बिहार के पारंपरिक एवं स्थानीय उत्पादों को भी सुधा के माध्यम से बाजार उपलब्ध कराया जाएगा। मखाना की खीर, रबड़ी जैसे उत्पादों को आम लोगों तक पहुंचाया जाने लगा है। इससे स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा और दूध की खपत एवं उत्पादन में वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में गाय और भैंस के साथ–साथ बकरी पालन को भी विशेष रूप से बढ़ावा दिया जाएगा। बकरी पालन ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। सुधा के माध्यम से बकरी के दूध के संग्रहण एवं विपणन को प्रोत्साहित करने की दिशा में प्रतिदिन एक लाख लीटर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पशुपालन के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए पशु सखी भी तैयार की जा रही हैं, जो पशुपालकों को आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान करेंगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 से पहले बिहार की एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। अब तक 50 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। पशुपालन और डेयरी गतिविधियों से महिलाओं को नियमित आय के अवसर मिलेंगे तथा ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पशुधन से प्राप्त संसाधनों का उपयोग जैविक खाद के उत्पादन में किया जायेगा। बिहार सरकार ने कंप्रेस्ड बायोगैस (CBG) नीति बनाई है, जिससे बायोगैस उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य और उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए प्रत्येक प्रखंड में पशु औषधि केंद्र खोले जाएंगे, ताकि पशुपालकों को पशुओं के इलाज के लिए आवश्यक सुविधाएं सुलभ हो सकें। उन्होंने कहा कि समस्तीपुर जिला बिहार में दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी है। समस्तीपुर की सफलता से अन्य जिलों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज संविधान दिवस भी है। संविधान हमें समान अवसर, सामाजिक न्याय और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देता है। बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर ने

संविधान का निर्माण किया था और प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में बनाने की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत एवं पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी के समृद्ध बिहार के सपने को पूरा करने के लिये हम सबको मिलकर काम करना होगा। किसानों तथा दुग्ध उत्पादकों की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होगा। गौधन एवं पशुधन का उपयोग ग्रामीण विकास, कृषि और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में किया जाएगा। बिहार सरकार किसानों, पशुपालकों और महिलाओं की आय बढ़ाने तथा राज्य को समृद्ध एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन का समापन इन प्रेरणादायी पंक्तियों के साथ किया–

"श्वेत क्रांति की धारा से हर आँगन में उजियारा हो,

पशु पालक हों खुशहाल यहाँ, समृद्ध बिहार हमारा हो।

कार्यक्रम को केन्द्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी एवं पंचायती राज मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन मंत्री श्री नंद किशोर राम, केन्द्रीय पशुपालन एवं डेयरी विभाग के सचिव श्री नरेशपाल गंगवार, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव श्री शीर्षत कपिल अशोक ने भी संबोधित किया।

मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया।

कार्यक्रम में केन्द्रीय पशुपालन एवं डेयरी विभाग के सचिव श्री नरेशपाल गंगवार ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा, प्रतीक चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी एवं केन्द्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी एवं पंचायती राज मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार–2026 के विजेताओं को सम्मनित किया तथा कई पुस्तकों का विमोचन किया।

कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी एवं केन्द्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी एवं पंचायती राज मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कॉम्फेड सहित देश के विभिन्न दुग्ध उत्पादक संघों द्वारा लगाये गये स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा उत्पादों की जानकारी ली।

इस अवसर पर विकास आयुक्त श्री मिहिर कुमार सिंह, पशुपालन एवं डेयरी विभाग की अपर सचिव सुश्री वर्षा जोशी, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अपर सचिव श्री रमाशंकर सिन्हा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री संजय कुमार सिंह, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री मीनेश साह, केन्द्रीय पशुपालन अयुक्त डॉ0 बी0 महेश्वरप्पा नवीन सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं दुग्ध उत्पादक किसान, देश भर के दुग्ध उत्पादक संघ के प्रतिनिधि एवं राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार के विजेता उपस्थित थे।

******